Admission to Birla Institute of Technology, Mesra, Ranchi

2307. SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether Government are aware that since the grant of autonomy to Birla Institute of Technology, Mesra, Ranchi, in 1972 and deemed University status in 1986; the admission of students to the Under-graduate courses has been done without any rules being framed;

(b) whether the reservation policy of Government is not being followed in the admission of students in the Institute; and

(c) if so what steps Government propose to take in the matter?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENTS OF EDUCATION AND CULTURE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI L. P. SHAHI): (a) The admission of students of the Birla Institute of Technology, Mesra, Ranchi is made on the basis of merit in an all India entrance examination conducted by the Institute comprising a written test followed by interview. The written test is taken in four papers, Physics, Chemistry, Mathematics/Biology and English. The test is held at selected centres all over the country. This is in accordance with the admission policy and procedure framed by the Institute.

(b) Seats for SC/ST candidates are reserved by the Institute in accordance with Government of India norms (15 per cent for SC and 7-1/2 per cent for ST candidates).

(c) Does not arise.

राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम

2308. **श्री शरद यादव** : क्या **मानव संसाधन विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत क्या लक्ष्य निर्धारित किये गये थे;

(ख) सरकार ने इन लक्ष्यों की प्राप्ति के लिये अब तक क्या-क्या प्रयास किये हैं ;

(ग) प्राप्त किये गये लक्ष्यों का ब्यौरा क्या है ;

(घ) क्या यह सच है कि उक्त सभी लक्ष्य प्राप्त नहीं हो सके हैं ; और

(ङ) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में शिक्षा और संस्कृति विभागों में राज्य मंत्री (श्री एल० पी० साही) : (क) और (ग) जब राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम शुरू किया गया था, उसके अंतर्गत कोई विशिष्ट लक्ष्य निर्धारित नहीं किए गए थे । बाद के चरण में इस कार्यक्रम के अंतर्गत वर्षवार लक्ष्य निर्धारित किए गए थे । 1980-81 से 1987-88 तक वर्षवार लक्ष्य और नामांकन दर्शाने वाला एक विवरण संलग्न है (नीचे देखिये) ।

(ख) केन्द्रीय प्रायोजित ग्रामीण कार्यात्मक साक्षरता परियोजनाओं और राज्य प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम के माध्यम से इस कार्यक्रम को आवश्यक रूप से कार्यान्वित किया गया था । अन्य योजनाएं, जिन्होंने इस कार्यक्रम को सुदृढ़ किया, इस प्रकार थीं :—

1. प्रौढ़ शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत स्वैच्छिक एजेंसियो को सहायता की योजना ।
2. राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनिक ढांचे को सुदृढ़ करना ।
3. विश्वविद्यालय और कालेजों के माध्यम से प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम ।
4. केन्द्रीय प्रायोजित उत्तर-साक्षरता तथा अनुवर्ती कार्यक्रम ।